epaper
हिन्दुस्तान

बुद्ध पूर्णिमा पर कई जगह कार्यक्रम

नोएडा/ग्रेनो, संवाददाता। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विभिन्न स्कूल और सस्थाओं ने शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर महोत्सव का आयोजन किया।

सेक्टर-91 में पंचशील बालक इंटर कॉलेज के छात्रावास में बुद्ध पूर्णिमा मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पण कर किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ नीरज छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा बुद्ध के मूल्यों को जीवन और अपने आचरण में अपना कर ही विश्व में शांति और प्रेम स्थापित किया जा सकता है। इस मौके पर वार्डन सुनील कुमार, बी.रमेश, कनिष्क, राज सिंह, रमेश कुमार और विद्यालय की मीडिया प्रभारी आशा रानी उपस्थित रही। वहीं, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले ध्यान केन्द्र में शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर आरके सिन्हा ने बुद्धमूर्ति के समक्ष प्रदीप प्रज्ज्वलन और पुष्पार्पण के साथ की। इसमें भारतीय बौद्ध श्रद्धालुओं तथा बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय में पढ़ रहे विदेशी बौद्ध भिक्षु और भिक्षुणियों ने भाग लिया।

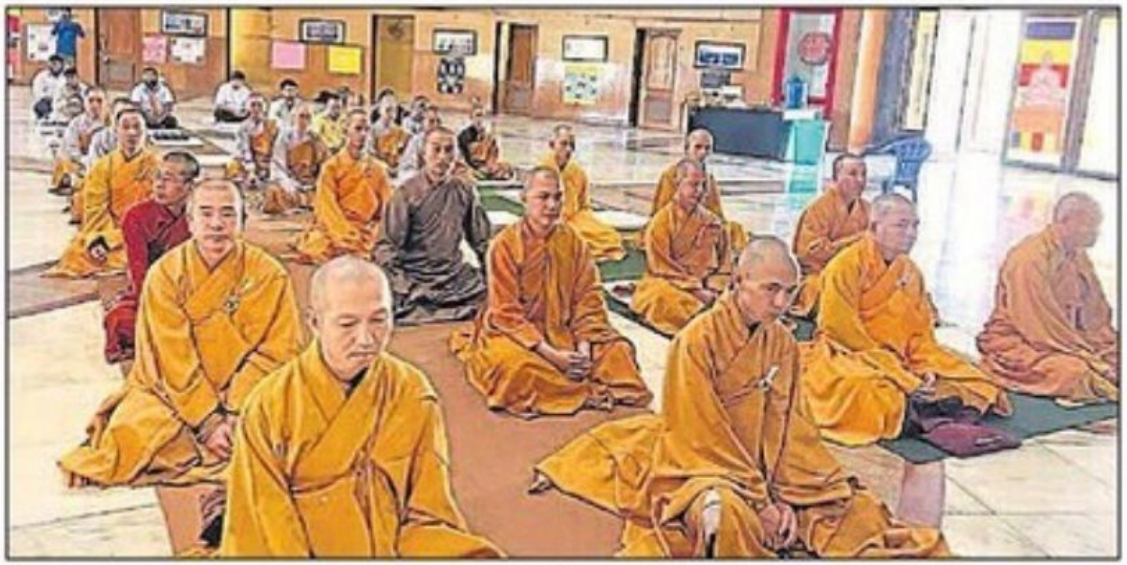

जीबीयू में शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा में विदेशी बौद्ध भिक्षु और भिक्षुणियों ने भाग लिया।

कुलपति प्रोफेसर आरके सिन्हा ने कहा कि संसार के इतिहास में गौतम बुद्ध ही एकमात्र ऐतिहासिक व्यक्ति हैं, जिनके जीवन की तीन महत्वपूर्ण घटनाएं वैशाख पूर्णिमा के दिन घटित हुई। यह पर्व मैत्री और करुणा का संदेश देता है।

जीबीयू में मनाया गया बुद्ध पूर्णिमा, महात्मा बुद्ध के शिक्षाओं पर डाला गया प्रकाश

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले ध्यान केंद्र में 5 मई 2023 को बुद्ध पूर्णिमा का अयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जी.बी.यू. के कुलपति प्रो. आर.के. सिन्हा ने बुद्धमूर्ति के समक्ष प्रदीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्पण के साथ की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सिन्हा ने बुद्ध पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संसार के इतिहास में गौतम बुद्ध ही एकमात्र ऐतिहासिक व्यक्ति हैं, जिनके जीवन की तीन महत्वपूर्ण घटनाएं वैशाख पूर्णिमा के दिन घटित हुई। सिद्धार्थ गौतम का जन्म होना, बोधिसत्व गौतम को सम्यक् सम्बोधि की प्राप्ति होना एवं गौतम बुद्ध का महापरिनिर्वाण होना – ये तीनों महत्वपूर्ण घटनाएं वैशाख पूर्णिमा के दिन ही घटित हुई थी, जिसके कारण ही इसे बौद्ध जगत् में त्रिविध पावनी बुद्ध पूर्णिमा के रूप में जाना जाता है। यह पर्व मैत्री एवं करुणा का सन्देश देता है तथा गौतम बुद्ध द्वारा देशित धम्म के सम्यक् अनुशीलन से ही समाज में सुख एवं शान्ति की स्थापना की जा सकती है। उनकी शिक्षाओं के पालन के द्वारा ही सामाजिक सौहार्द को स्थापति किया जा सकता है।

बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य ने गौतम बुद्ध के महापरिनिर्वाण एवं अन्तिम वचन पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा सुखी मानव जीवन के लिए अप्रमाद के पालन को नितान्त आवश्यक बताया।

■ बौद्ध भिक्षुओं के साथ विभाग के संकाय शामिल होकर ध्यान कार्यक्रम में हुए शामिल

कार्यक्रम के आयोजक एवं बोधि ध्यान साधना के समन्वयक डॉ. मनीष मेश्राम ने स्वागत भाषण दिया तथा उपस्थित जनसमूह को बुद्ध पूर्णिमा समारोह की रूपरेखा से अवगत कराया। इसके साथ ही, बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मेश्राम ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को बुद्धानुस्सति ध्यान भावना का अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम की विधिवत् शुरुआत बुद्ध वन्दना से हुई, जिसमें भारतीय बौद्ध श्रद्धालुओं तथा बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय में अध्ययनरत् विदेशी बौद्ध भिक्षु एवं भिक्षुणियों ने भाग लिया। बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चिंतल वेंकट सिवसाई ने धन्यवाद ज्ञापन दिया तथा जीबीयू में अध्ययनरत् छात्रा डोली ने इस कार्यक्रम का सफल संचालन किया। इस कार्यक्रम में डॉ. पंकजदीप, डॉ. चन्द्रभानु भरास, डॉ. कमालिका बनर्जी, स्वपनिल तिवारी, डॉ. दिनेश कुमार शर्मा, विक्रम सिंह यादव, डॉ. सुभोजित बनर्जी, डॉ. विमलेश कुमार, कन्हैया, अजय सहित लगभग 120 गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिसमें विश्वविद्यालय के सदस्य, कर्मचारी, छात्र-छात्रों के साथ कासना गांव से आये कई बौद्ध अनुयायियों ने भी भाग लिया।

जी.बी.यू. में बुद्ध पूर्णिमा समारोह सम्पन्न

राष्ट्रीय शान

ग्रेटर नोएडा। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले ध्यान केन्द्र में 5 मई 2023 को बुद्ध पूर्णिमा का अयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जी.बी.यू. के कुलपति प्रो. आर. के. सिन्हा ने बुद्धमूर्ति के समक्ष प्रदीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्पण के साथ की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सिन्हा ने बुद्ध पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संसार के इतिहास में गौतम।बुद्ध ही एकमात्र ऐतिहासिक व्यक्ति हैं, जिनके जीवन की तीन महत्वपूर्ण घटनाएँ वैशाख पूर्णिमा के दिन

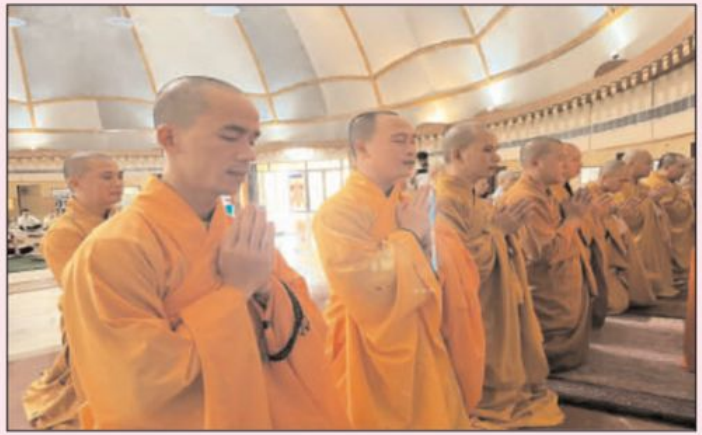

घटित हुई। सिद्धार्थ गौतम का जन्म होना, बोधिसत्व गौतम को सम्यक सम्बोधि की प्राप्ति होना एवं गौतम बुद्ध का महापरिनिर्वाण होना - ये तीनों महत्वपूर्ण घटनाएँ वैशाख पूर्णिमा के दिन ही घटित हुई थी, जिसके कारण ही इसे बौद्ध जगत में त्रिविध पावनी बुद्ध पूर्णिमा के रूप में जाना जाता है। यह पर्व मैत्री एवं करुणा का सन्देश देता है तथा गौतम बुद्ध द्वारा देशित धम्म के सम्यक अनुशीलन से ही समाज में सुख एवं शान्ति की स्थापना की जा सकती है। उनकी शिक्षाओं के पालन के द्वारा ही सामाजिक सौहार्द को स्थापति किया जा सकता है। बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य ने गौतम बुद्ध के महापरिनिर्वाण एवं अन्तिम वचन पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा सुखी मानव जीवन के लिए अप्रमाद के पालन को नितान्तआवश्यक बताया। कार्यक्रम के आयोजक एवं बोधि ध्यान साधना के समन्वयक डॉ. मनीष मेश्राम ने स्वागत भाषण दिया तथा उपस्थित जनसमूह को बुद्ध पूर्णिमा समारोह की रूपरेखा से अवगत कराया। इसके साथ ही, बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मेश्राम ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को बुद्धानुस्सति ध्यान भावना का अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत बुद्ध वन्दना से हुई, जिसमें भारतीय बौद्ध श्रद्धालुओं तथा बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय में अध्ययनरत विदेशी बौद्ध भिक्षु एवं भिक्षुणियों ने भाग लिया। बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चिंतल वेंकट सिवसाई ने धन्यवाद ज्ञापन दिया तथा जीबीयू में अध्ययनरत छात्रा डोली ने इस कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

इस कार्यक्रम में डॉ. पंकजदीप, डॉ. चन्द्रभानु भरास, डॉ. कमालिका बनर्जी, स्वपनिल तिवारी, डॉ. दिनेश कुमार शर्मा, श्री विक्रम सिंह यादव, डॉ.।सुभोजित बनर्जी, डॉ. विमलेश कुमार, श्री कन्हीया, श्री अजय सहित लगभग 120 गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिसमें विश्वविद्यालय के सदस्य कर्मचारी, छात्र-छात्रों के साथ कासना गाँव से आये कई बौद्ध अनुयायियों ने भी भाग लिया।

सार सुर्खियां

बुद्ध पूर्णिमा पर गौतम बुध यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा (भास्कर ब्यूरो)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले ध्यान केन्द्र में 5 मई 2023 को बुद्ध पूर्णिमा का अयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जी.बी.यू. के कुलपति प्रो.आर.के.सिन्हा ने बुद्धमूर्ति के समक्ष प्रदीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्पण के साथ की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.सिन्हा ने बुद्ध पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संसार के इतिहास में गौतम बुद्ध ही एकमात्र ऐतिहासिक व्यक्ति हैं, जिनके जीवन की तीन महत्वपूर्ण घटनाएँ वैशाख पूर्णिमा के दिन घटित हुई। सिद्धार्थ गौतम का जन्म होना, बोधिसत्व गौतम को सम्यक सम्बोधि की प्राप्ति होना एवं गौतम बुद्ध का महापरिनिर्वाण होना– ये तीनों महत्वपूर्ण घटनाएँ वैशाख पूर्णिमा के दिन ही घटित हुई थी, जिसके कारण ही इसे बौद्ध जगत में त्रिविध पावनी बुद्ध पूर्णिमा के रूप में जाना जाता है। यह पर्व मैत्री एवं करुणा का सन्देश देता है तथा गौतम बुद्ध द्वारा देशित धम्म के सम्यक अनुशीलन से ही समाज में सुख एवं शान्ति की स्थापना की जा सकती है। कार्यक्रम के आयोजक एवं बोधि ध्यान साधना के समन्वयक डॉ. मनीष मेश्राम ने स्वागत भाषण दिया तथा उपस्थित जनसमूह को बुद्ध पूर्णिमा समारोह की रूपरेखा से अवगत कराया। इसके साथ ही, बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मेश्राम ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को बुद्धानुस्सति ध्यान भावना का अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत बुद्ध वन्दना से हुई, जिसमें भारतीय बौद्ध श्रद्धालुओं तथा बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय में अध्ययनरत विदेशी बौद्ध भिक्षु एवं भिक्षुणियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में डॉ.पंकजदीप, डॉ. चन्द्रभानु भरास, डॉ. कमालिका बनर्जी, स्वपनिल तिवारी, डॉ. दिनेश कुमार शर्मा, विक्रम सिंह यादव, डॉ. सुभोजित बनर्जी, डॉ. विमलेश कुमार, कन्हीया, अजय सहित लगभग 120 गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिसमें विश्वविद्यालय के सदस्य, कर्मचारी, छात्र–छात्रों के साथ कासना गाँव से आये कई बौद्ध अनुयायियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।